an>

Title: Need to provide technical and financial assistance to the farmers of the country regarding conserving and increasing the fertility of soil.

**श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी (अहमदनगर) :** उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

महोदय, मैं इस सदन में किसानों के हित में एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय उठाना चाह रहा हूं। मिट्टी सदा से अमूल्य और हमारे जीवन का आधार रही है। विडम्बना यह है कि इस सबसे बड़े धन की वास्तविक मूल्य को पहचाना नहीं जाता और इसकी उपेक्षा की जाती है। इसकी गुणवत्ता में कमी आ रही है। वह नजर नहीं आती है, लेकिन इससे हमारी अर्थव्यवस्था, करोड़ों लोगों की आजीविका, खाद्य उपलब्धि आदि सब गंभीर रूप से प्रभावित होती है। मिट्टी में जल ग्रहण, वायु संचार तथा अनेक तरह के पोषक तत्व, पेड़-पौधों को संतुलित रूप में देने की क्षमता है। जब यह पूरी व्यवस्था टूटती है, तो भूमि की उर्वरकता नष्ट होती है। इसके संरक्षण और रखरखाव पर ध्यान देने की जरूरत भी उतनी ही ज्यादा होती है। पिछली लगभग दो शताब्दियों से वनों का विनाश व कटान बड़े पैमाने पर हुआ और मिट्टी के उपजाऊपन को बहुत क्षति पहुंची। रसायनों का भारी उपयोग मिट्टी के उपजाऊपन के लिए हानिकारक सिद्ध हुआ। हमारे बुजुर्ग किसानों के पास अभी तक उपलब्ध प्राकृतिक प्रक्रिया के अनुकूल खेती का ज्ञान है, जो मिट्टी के उपजाऊपन को बचा सकते हैं। कृषि भूमि को धीरे-धीरे जहरीले तत्व से मुक्त कर सकते हैं। हमें अपने गांव में उपलब्ध सेन्द्रीय खाद का भरपूर उपयोग करना होगा। इसके लिए किसानों को तकनीकी तथा आर्थिक सहायता करवानी होगी।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूं कि हमारे देश की मिट्टी की रक्षा व जतन करने तथा इसका उपजाऊपन बढ़ाने के लिए हर किसान की खेती की मिट्टी का परीक्षण करके उसकी एक पत्रिका बनाकर उपलब्ध करायें और उसमें क्या फसल लेनी चाहिए, जिससे उसकी आर्थिक प्रगति हो सके। इस दृष्टिकोण से उसके मार्गदर्शन की आवश्यकता है। सरकार को इस बारे में कदम उठाने की आवश्यकता है।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri P.P. Chaudhary, Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Shri Prahlad Singh Patel and Shri Bhairon Prasad Mishra are allowed to be associated with the issue raised by Shri Dilipkumar Mansukhlal Gandhi.